



अखण्ड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज

गुरुवार 28 अक्टूबर 2021

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेट

क्रियायोग संदेश

क्रियायोग: सच (Truth) को आँच नहीं। आँच अज्ञानता (अविद्या Ignorance) समय, दूरी व सापेक्षता की अनुभूति है जो समस्त दुःखों का कारण है। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामान्य तरीके से जीवन जीने पर सच की अनुभूति के लिए व्याधि रहित लगभग दस हजार वर्ष की आवश्यकता होती है, लेकिन क्रियायोग अभ्यास से सच की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

1. प्राचीन उच्च मानव सभ्यता में वर्णित यज्ञ, वर्तमान में विश्व विष्वायत 'क्रियायोग' है।
2. क्रियायोग अभ्यास वेदपाठ है, पूर्ण ज्ञान की अनुभूति है।
3. क्रियायोग अभ्यास ईश्वर अनुभूति है।
4. क्रियायोग अभ्यास अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ा है।
5. क्रियायोग अभ्यास जीवन मृत्यु पर विजय है।

खामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं
अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज

10 मिनट का अम्यात 20 वर्ष का विकास

विधानसभा उपचुनावः 44 प्रत्याशियों के खिलाफ आपराधिक मुकदमे, 77 करोड़पति नई दिली (एजेंसी)। अलग-अलग राज्यों में होने जा रहे विधानसभा और लोकसभा उपचुनावों के 235 प्रत्याशियों में 44 के खिलाफ आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। चुनावी प्रक्रिया पर नजर रखने वाले और सूचीयों के लिए काम करने वाली सम्पत्ति असासिएशन फॉर अंडरिक्ट रिफोर्म्स (उ) की एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। एडीआर ने 14 राज्यों में 3 लोकसभा और 30 विधानसभा सीटों पर आगामी उपचुनाव के 265 उमीदवारों में से 261 के छाया पांचों के विशेषण किया गया है। इन सभी सीटों पर 30 अक्टूबर को वोटिंग होगी। विधानसभा उपचुनाव के लिए 235 उमीदवारों के हलफनामे के विशेषण में पाया गया है। 44 उमीदवार (19 फौसदी) ने अपने खिलाफ आपराधिक मुकदमे दर्ज कर दिए हैं। एडीआर रिपोर्ट में कहा गया है, 'इनमें से 36 (15 फौसदी) ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मुकदमों की जानकारी दी है।' यह भी बाब्या गया है कि कुल 77 यानी 33 फौसदी उमीदवार करोड़पति हैं और विधानसभा उपचुनाव लड़ रहे हैं।

शिक्षक नेता की हत्या में दो को फांसी, पांच को आजीवन कारावास

अखण्ड भारत संदेश

प्रतापगढ़। विशेष सत्र न्यायालयीश पाक्सो कोटी के पंकज कुमार श्रीवास्तव ने अभियुक्तगणों में से राजेश सिंह सुत राधेश्याम सिंह निवासी सेतापु थाना अंतृव नौशाद उठ डीम्प सुन शमशेर निवासी साराय कस्ता थाना लालगंज को हत्या के अपराध में



मेरे पति से राजेश ने कहा कि आज तुम्हें जिंदा नहीं छोड़ूँगे और गर्दन पर सटाकर गोली मार दी।

शासकीय अधिवक्ता योगेश शर्मा व सहायक शासकीय अधिवक्ता अनिल मिश्र निवासी साराय के अधिवक्ता अश्विनी कुमार पांडेय के तरीके को सुनने के पश्चात फौसदी की साथा तथा प्रत्येक को दो लाख 50 हजार रुपये के अर्थदान से दण्डित करने का आदेश पारित किया।

बाल कृष्ण निवासी पड़वार नगर, श्रीभगवान्य मिश्र के उत्तराधिकारी को प्रदान की जाए। बता दें कि वादिनी विद्या मिश्र ने 14 जुलाई

लाख 30 हजार रुपये मुतक श्रीभगवान्य मिश्र के उत्तराधिकारी सिंह व प्रमोद तिवारी उर्फ लोटा तिवारी सुत राम लवट निवासीण

14 जुलाई 2012 की रात को प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष की शहर में गोली मारकर हुई थी हत्या

बरिया समुद्र थाना अंतृतथा अनुज कुमार दुबे सुत राम विशाल निवासी सारायपुर, थाना लालगंज के जनपद प्रतापगढ़ को हल्या के अपराध में आजीवन कारावास तथा प्रत्येक को अन्य अपराधों सहित दो लाख 70 हजार रुपये के अर्थदान से प्रत्येक को दण्डित करने का आदेश पारित किया।

शेष अभियुक्तगण प्रदीप सिंह सुत सूर्य नारायण सिंह निवासी अजीत नगर, अशोक मिश्र सुत अपराधों में उपरोक्त अभियुक्तों को सात वर्ष का कारावास तथा दोनों अभियुक्तों को पांच लाख 50 हजार रुपये के अर्थदान से दण्डित करने का आदेश पारित किया।

अभियुक्त राजेश सिंह मेरी

पुत्री पूजा से जबरन शादी करना

वाहता था जिसका विरोध मेरे

पति तथा मेरी लूकी करती थी।

इसी के कारण मेरे पति की कई

बार घेराबंदी हुई थी परन्तु लड़की

समय रास्ते में मृत्यु हो गई।

का मामला होने के कारण कहाँ कोई शिकायत नहीं की गई थी। घटना के दिन मेरे पति, मैं तथा मेरी लड़की बरामदे में बैठकर बातें कर रहे थे तभी राजेश सिंह व प्रदीप सिंह, अशोक कुमार तमंचा लेकर घुस आए।

मेरे पति से राजेश ने कहा कि आज तुम्हें जिंदा नहीं छोड़ूँगे और गर्दन पर सटाकर गोली मार दी। अच्युत लोगों ने तमंचे से फारप किया जिसकी ओट मेरे पति को निर्देश दिए गए हैं कि कहीं भी कोई ऐसी बात नहीं हो जिसमें देश के खिलाफ कार्य किया जा रहा हो तो उसमें भी त्वरित कार्रवाई कर राष्ट्रद्वारा की धाराओं में तहत मुकदमा दर्ज कर दिये जाएं। 24 अक्टूबर को ३०-२० क्रिकेट विश्व कप में भारत-पाकिस्तान के मैच का नतीजा आने के बाद कुछ शहरों में पक्षिस्तान के समर्थन में भारत विरोधी नारेबाजी झड़ी। कई जगहों पर लोगों ने पटाखे और फौंफूंक लोगों की भावनाओं का आहत किया। इस मामले पर जेटस ने रिपोर्ट तब तक की। इस पर डीजीपी मुकुल गोयल ने सभी जिलों को कहा कार्रवाई करने का हो जाता है। भारत-पाकिस्तान के बीच खेले गए क्रिकेट मैच में भारत के इकाईआर दर्ज की गई।



हारने पर पाकिस्तान का समर्थन करते हुए देश विरोधी जिलों के खिलाफ आगार के जारीशास्त्र थाने में ८०५१ (वी) वी १५३८ के अलावा आईटी एक्ट की धारा ६६ (एफ) के तहत नामजद एफआईआर दर्ज की थी। बर्ली के इज्जतनगर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपने मोबाइल के हाटदूअप पर पाकिस्तान का समर्थन करते हुए स्टेट्स लगाया था। इस पर पुलिस ने आईपीसी की धारा ५०४ व ५०६ के अलावा आईटी एक्ट की धारा ६६ के तहत मुकदमा दर्ज किया था। बर्ली के इज्जतनगर थाना में ही एक अच्युत किलाफ आईटी एक्ट की धारा ६६ के तहत एफआईआर दर्ज की गई।

नगर पालिका परिषद भरवारी



भव्य दीपावली मेला

दिनांक 28 अक्टूबर से 3 नवम्बर तक

स्थान: नवीन मण्डी स्थल, योग केन्द्र राम वाटिका के बगल में
नगर पालिका परिषद, भरवारी, कौशाम्बी

प्रतिदिन सायंकाल भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम,
लेजूर थो, मैजिक थो, भव्य आकर्षक झूले,
शिल्प, खान-पान, स्थानीय उत्पाद सहित
100 आकर्षक दुकानें, सभी सरकारी योजनाओं के
विभागीय स्टाल लगाये जायेंगे।

आप सभी सपरिवार साक्षर आमंत्रित हैं

राजेश श्रीवास्तव
उप जिलाधिकारी एवं प्रशासक

गिरीश चन्द्र
अधिशासी अधिकारी, भरवारी



संभु कुमार गुप्ता

विधायक-253 चायल, कौशाम्बी
ब्राण्ड अम्बेसडर स्वच्छ भारत मिशन

सुजीत कुमार
जिलाधिकारी, कौशाम्बी

सम्पादकीय

आईपीएल ब्रैंड का कमाल,
नीलामी ने बढ़ाई साख

कॉन्सिन्यम के मामलों में भी बीसीसीआई ने शर्त रखी थी कि उसमें तीन से ज्यादा निवेशक न हों। यानी मजबूत दावेदार हीं बोली लगाएं। एक और बात है कि इस नीलामी से दुनिया की प्रतिष्ठित स्पोर्ट्स लीगों में इसकी पहचान और बढ़ेंगी। आईपीएल की दो नई टीमों- लखनऊ और अहमदाबाद- के खरीदे जाने की मौका न केवल बीसीसीआई और आईपीएल के लिए बल्कि दुनिया में क्रिकेट के कारोबार के लिहाज से भी मील का पथर बन गया है। इसकी सबसे बड़ी वजह तो नीलामी की बोली ही है। 2008 में उद्योगपति मुकेश अंबानी ने टी-20 लीग की सबसे हाइप्रोफाइल फैंचाइज में गिनी जाने वाली मुंबई इंडियंस को 11.19 करोड़ डॉलर में खरीदा था। अब 13 साल बाद 2021 में लखनऊ को आरपीएसजी ने 7090 करोड़ रुपये (करीब 94 करोड़ डॉलर) और अहमदाबाद को सीवीसी कैपिटल पार्टनर्स ने 5625 करोड़ रुपये (करीब 75 करोड़ डॉलर) में खरीदा है। यह आईपीएल ब्रैड की असाधारण कामयाबी का सबूत है। लखनऊ को बीसीसीआई की ओर से तय बेस प्राइस (2000 करोड़ रुपये) से 250 फीसदी और अहमदाबाद को 160 फीसदी ऊंची कीमत मिली। ऊंची बोली के अलावा भी कई बातें हैं जो आईपीएल ब्रैड को लेकर निवेशकों के भरोसे का परिचय देती हैं। उदाहरण के लिए, इस नीलामी प्रक्रिया में शामिल होने की जो शर्त बीसीसीआई ने तय की थी, तेरी काफी कुछ कहती है। इन शर्तों के मुताबिक जरूरी था कि बोली लगाने वाली कंपनियों का कम से कम 3000 करोड़ रुपये सालाना टर्नओवर हो।

कॉन्सिन्यम के मामलों में भी बीसीसीआई ने शर्त रखी थी कि उसमें तीन से ज्यादा निवेशक न हों। यानी मजबूत दावेदार हीं बोली लगाएं। एक और बात है कि इस नीलामी से दुनिया की प्रतिष्ठित स्पोर्ट्स लीगों में इसकी पहचान और बढ़ेगी। सीवीसीए कैपिटल पार्टनर्स एक प्राइवेट इकिटी फर्म है। दुनिया की लीग जैसी फुटबॉल लीग को ऊंचे मुकाम तक ले जाने में इस तरह के निवेशकों ने बड़ी भूमिका निभाई है। भारत के इस क्रिकेट ब्रैंड पर किसी प्राइवेट इकिटी फर्म के भरोसा जताने का मतलब यह भी है कि इस लीग में आज के मुकाबले कहीं ज्यादा कमाइ करने की संभावना है। वैसे, आईपीएल का विवादों से भी नात रहा है। कभी इसके प्रमोटर्स को लेकर विवाद हुए तो कभी इस पर फिक्सिंग प्रकरण का साया पड़ा और कभी इसे महामारी वैप्रकोप की बाधाएं झेलनी पड़ी। इन सबके बीच क्रिकेट को तमाशा बना देने के आरोप भी लगते रहे। लेकिन हर विवाद, हर संकट और हर चुनौती की आग से गुजरते हुए यह अपनी चमक बढ़ाता रहा। यहाँ वजह है कि यह आज दुनिया में क्रिकेट का सबसे महत्वपूर्ण आयोजन बन गया है। एक ऐसा आयोजन, जिस पर न केवल दुनिया भर के क्रिकेटरों और क्रिकेट प्रेमियों की बल्कि वित्तीय जगत के दिग्गजों की भी नजरें टिकी होती हैं। अब तक आठ टीमों के साथ 60 मैचों के आयोजन का यह इवेंट 15टी सीजन से दस टीमों के साथ 74 मैचों का होने जा रहा है उम्मीद की जाए कि इसकी कामयाबी बीसीसीआई और भारतीय क्रिकेट को ही नहीं पूरी दुनिया में क्रिकेट के इकोसिस्टम को भी मजबूती देगी प्रश्न बाधगया कहाँ स्थित है

ਪੀਯੂ਷ ਪਾਂਡੇ

क्रिकेट में धर्म का मर्ज तो बहुत पुराना है...

के नाम से पांच टोमे एक लिहाज से क्रिकेट के जरिए अपने धमं टे सर्वीच्च होने की लडाई भी लड़ती थी। आजादी के बाद पहली बार ज भारत और पाकिस्तान के बीच खेल शुरू हुआ तो दोनों देशों के प्रबुलोगों और मीडिया में उम्मीद जताई गई कि खेल को खेल भावना से खेल जाएगा और क्रिकेट के जरिए दोनों देशों के बीच संबंध सुधरेंगे, लेकिए ऐसा हुआ नहीं। 1952 के अक्टूबर-दिसंबर में जब पाकिस्तान की टीम पांच टेस्ट मैच के दौरे के लिए आई तो नागपुर में टीम का गास्ता 'पाकिस्तानी की मौत' और 'पाकिस्तान वापस जाओ' के उन नारों से हो गया, जिसका कल्पना उसने नहीं की थी। हिंदू महासभा ने मुकाबले से पहले रस्टेडियम के बाहर धरना-प्रदर्शन का ऐलान करते हुए पर्वों पाकिस्तान में हिंदुओं देसाथ हो रहे व्यवहार के खिलाफ पाकिस्तानी टीम से वापस लौटेने के मांग कर डाली। हालात बिगड़ ना जाएं, इसलिए मैच की सुबह हिंदू महासभा अध्यक्ष डॉ. एन.बी. खरे को निवारक नजरबंदी कानून टै तहत गिरफ्तार कर नागपुर केंद्रीय जेल भेज दिया गया। इसके बाद कलकत्ता टेस्ट मैच के पहले दिन भी हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं ने इन गार्डन्स के बाहर जमकर नारेबाजी की।

इन घटनाओं से एक बात साफ है कि क्रिकेट पर राजनीति का साथ पहले द्विपक्षीय दौरे के वक्त से रहा है। खिलाड़ियों ने अपनी तरफ स्थिति संभालने की कोशिश जरूर की, लेकिन कामयाब नहीं हुए। पाकिस्तान की टीम दिली में महात्मा गांधी की समाधि राजधानी और निजामुद्दीन औलिया की दरगाह पर भी गई। लेकिन, पाकिस्तान दें चर्चित समाचारपत्र 'डॉन' में सांप्रदायिक सौहार्द से जुड़ी यह महत्वपूर्ण खबर आखिरी पेज के कोने में सिमट गई। जबकि, उसी दिन कराची में 'अधिकृत कश्मीर की स्वतंत्रता के संघर्ष' शीर्षक के साथ मुस्लिम लीग दें आंदोलन की खबर को पहले पेज की मुख्य खबर बनाया गया। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट की जड़ों को खोदा जाए तो उसमें सांप्रदायिक

कू कई मौकों पर उठती दिखती है। 1960 के दशक में पाकिस्तान की टीम भारत आई तो महान पाकिस्तानी खिलाड़ी मोहम्मद हनीफ ने एक प्रशंसक से हाथ मिलाने के लिए ट्रेन से हाथ बाहर निकाला। लेकिन, प्रशंसक हमलावर निकला। उसने धारधार हुए से हनीफ के हाथ पर बार कर दिया। दिलचस्प यह कि मोहम्मद शमी आज जिस आरोप से दो-चार हुए, वैसे आरोप उस दौर में भी खिलाड़ियों पर लगे, जब सोशल मीडिया का अता-पता नहीं था। 1960-61 के पाकिस्तान दौरे के वक्त भारतीय टीम के मुस्लिम खिलाड़ी अब्बास अली बेग खराब प्रदर्शन के बाद साप्रदायिक तत्वों के हमलों का शिकार हुए। इन लोगों ने एक तरफ अब्बास अली बेग को खत लिखे कि वह जानबूझकर पाकिस्तान की टीम के सामने विकेट गंगा रहे हैं, तो दूसरी तरफ चयन समिति को लिखा कि टीम से 'मुस्लिम समर्थक खिलाड़ी' को फौरन हूँप किया जाए। अब्बास अली बेग तो न टेस्ट में कुल 50 रन भी नहीं बना पाए थे, लिहाजा चयन समिति ने चौथे टेस्ट में उन्हें हूँप कर दिया और इस दौरे के बाद उनका करियर लगभग खत्म हो गया था। इक्का दुक्का मीकों को छोड़कर पाकिस्तान की टीम में हिंदू खिलाड़ी कभी रहे नहीं तो भेदभाव के आरोप खिलाड़ियों की तरफ से नहीं लगे, लेकिन भारत में मोहम्मद अजहरुद्दीन जैसे बड़े खिलाड़ी भी यह गंदा खेल खेलने से नहीं चूके। अजहरुद्दीन पर जब मैच फिक्सिंग के आरोप लगे तो उन्होंने मुस्लिम कार्ड खेलते हुए खुद को विकिटम बताया। दरअसल, उदाहरण कई तरह के हैं, और हर उदाहरण बताता है कि क्रिकेट में धर्म अरसे से घुल-मिला हुआ है। इस खेल को खेल बनाए रखने की कुछ जिम्मेदारी राजनेताओं की भी थी, लेकिन दुर्भाग्य से क्रिकेट कूटनीति के नाम पर दोनों देशों के राजनेताओं ने इस खेल से 'कुछ अधिक' बनाए रखा। नतीजा यह कि एक बड़े तबके के बीच संदेश यहीं गया कि क्रिकेट फक्त खेल नहीं, एक तरह का युद्ध भी है। और युद्ध में किसी को भी जीत से कम कुछ भी मंजूर नहीं होता।

सोशल मीडिया को नफरती मंच में बदलने की साजिश को विफल करना होगा

फेसबुक के संस्थापक-सीईओ मार्क ज़ाकरबर्ग ने कहा था कि इन्फोसब्स के इतिहास में भारत का बहुत महत्व है। कंपनी जब बुरे दौर से गुज़र रही थी और बंद होने की कागर पर थी तब मेरे गुरु स्टोव जॉब्स (एप्पल के संस्थापक) ने मझे भारत के एक मंदिर जाने की सलाह दी।

आजकल फेसबुक, टिव्हटर, यू-ट्यूब जैसे सोशल मंचों पर ऐसे सामग्री परोसी जा रही हैं, जो अशिष्ट, अभद्र, हिंसक, भ्रामक एवं राष्ट्रविरोधी होती है, जिसका उद्देश्य राष्ट्र को जोड़ना नहीं, तोड़ना है। इस सोशल मंचों पर ऐसे लोग सक्रिय हैं, जो तोड़फोड़ की नीति में विश्वास करते हैं, वे चरित्र-हनन और गाली-गलौच जैसी ओछी हरकतें करने देते हुए तथा उच्छंखल एवं विधंवासम्बन्धीय अपानाते हुए अराजक माहौल बनाते हैं। एक प्रगतिशील, सभ्य एवं शालीन समाज के लिये तप्पर रहते हैं तथा उच्छंखल एवं विधंवासम्बन्धीय अपानाते हुए अराजक माहौल बनाते हैं। इस तरह की हिंसा, नफरत और भ्रामक सूचनाओं की कोई जगह नहीं होनी चाहिए, लेकिन विडम्बना है कि किंवित्यक्ति की स्वतंत्रता कानून देख लेते सरकार इन अराजक स्थितियों पर काबू नहीं पार रही है।

फेसबुक, टिकटोर, यू-ट्यूब पर पांग पसार रही हैं देश को तोड़ने के साजिशों एवं जनता के दिलों में दरारें डालने की उच्छ्वसलताएं। इन राष्ट्रविरोधी विधांसात्मक उपक्रमों, नफरत फैलाने वाले भाषणों, तोड़मोड़ का प्रस्तुत करते घटनाक्रमों, हिस्सा एवं साप्रदायिकता पर जश्न-मनाने औं भ्रामक सूचनाएं परोसने की जैसे होइ-सी लग गई हैं। यह तथ्य खुफिया फेसबुक और कुछ अमेरिकी मीडिया संस्थानों ने अपने अध्ययन के बाहर प्रकट किए हैं। अध्ययनकर्ताओं ने दो साल पहले फेसबुक पर खाते खोले और लगातार नजर बनाए रखी कि इस मच पर भारत में कौसी सामग्री परोसी जा रही है। वे देख कर हैरान हो गए कि उनमें भ्रामक सूचनाओं और नफरत फैलाने वाले चिचारों का अंबार लगा हुआ है। हालांकि फेसबुक का दावा है कि वह किसी आपत्तिजनक सामग्री को प्रकाशित

ललित गर्ग

ललित गग

भोजन के बाजार में भुखमरी

काम करने वालों के लिए 'नाबल पुरस्कार' का एलान करता है! यह हमारा ही रचा हुआ अद्भुत जाल है।
‘संयुक्त राष्ट्र संघ’ का ‘खाद्य एवं कृषि संगठन’ भखमरी, कृपोषण

तप्पुत्र राष्ट्र संघ का खाद्य एवं फूजप संगठन मुख्यमंत्री, नुसारा परिवार और मोटोपै की मौजूदा समस्या के प्रति लोगों को जागरूक करता है। यह भूखों की मदद करता है। हमारी दुनिया एक साथ प्रचुरता और अभाव दोनों की समस्याओं से जूझ रही है। दो अरब लोगों के पास पर्याप्त मात्रा में भोजन नहीं और एक अरब से ज्यादा लोग ज्यादा खाकर बीमार पड़ते हैं या जंक फुड खा-खाकर मर जाते हैं। अपने पर्यावरणीय आर्थिक, सामाजिक-सांस्कृतिक आयामों के साथ भोजन हमारे समय टें सबसे गंभीर मुद्दों में से है। कोविड काल में यह और भी स्पष्ट हो गया है।

‘ऑक्सफॉर्ड’ की जुलाई 2020 की रिपोर्ट के मुताबिक यदि तुरंग कोई उपाय नहीं किए गए तो भुखमरी वायरस की तुलना में ज्यादा लोगों की जानें ले लेगी। रिपोर्ट बताती है ‘वैश्विक महामारी करोड़ों लोगों देलिए ताबूत की आखिरी कील साबित होगी। ऐसे ही लोग ‘क्राइमेंट परिवर्तन,’ असमानता और एक विखंडित खाद्य प्रणाली से जूझ रहे हैं और करें कि भूख का कारण अनन्न का अभाव नहीं, अन्यथा है। गलतीयां और असंवेदनशीलता है। गौरतलब है कि सेहत के लिए उपयोगी कहे जाने वाले आहार को अब कई तरह से परिभाषित किया जा रहा है। प्राकृतिक भोजन, जड़ी-बूटियां, खनिज, विटामिन की दवाइयां, सूपीमेंट और अब सुपरफुट के रूप में उनका नवीनतम चेहरा हमारा सामने है। इस नामकरण का कोई कानूनी या वैज्ञानिक आधार नहीं है। अलग-अलग संस्कृतियों के लिए भोजन का अर्थ भी अलग है। तुहारा (चीन) के वेट मार्केट’ में बिकने वाला भोजन हमारे यहां खाने की चीज़ ही नहीं है और इसी तरह उत्तरप्रदेश और बिहार में रोज खाए जाने वाला भोजन को नगालैंड और मेघालय में विद्यित समझा जायेगा। किसी ‘वीगन’ के लिए दूध और उससे बनी चीजें वैसी ही हैं जैसी शाकाहारी के लिए मांस है, पर इन सभी विरोधाभासी बातों के बीच यहां समझने के लिए कोशिश करते हैं कि कैसे ‘सुपर फुट’ के नाम पर लोगों को गुमराह किया जा रहा है।

‘पढ़ेगा’ तभी तो

हमने शिक्षा के गिरते स्तर पर कभी ध्यान ही नहीं दिया। लेकिन, क्योंकि हम इस बात का ही रोना रोते रहें कि आजादी के बाद से ही इसपर ध्यान नहीं दिया गया क्या हम लकीर पीटते रहें कि पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा कारण ही शिक्षा का स्तर गिरता रहा प्रश्न यह है कि हमने या यूँ कहिए कि हमारी सरकार ने उसमें सुधार के लिए क्या किया। देश की शिक्षा देस स्तर को सुधारने के लिए, शिक्षा के लिए पलायन करने वाले छात्रों को रोकने के लिए क्या किया प्रश्न-बहुत है, लेकिन इन प्रश्नों से समस्या का समाधान नहीं होने वाला है। इसी प्रक्रिया में अपने देश के विभिन्न-राज्यों के शिक्षा स्तर के समझने के लिए प्रयास किया और जो जानकारी मिली सच में वह चौकाने वाली है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के सर्वेक्षण के अनुसार भारत में साक्षरता के मापदण्ड में केरल एक बार फिर पहले पायदान पर रहा है, जबकि आंध्र प्रदेश सबसे निचले स्थान पर है। सर्वेक्षण द्वारा अनसार केरल में साक्षरता दर 96.2 प्रतिशत, जबकि आंध्र प्रदेश 66.

निशिकांत ठाकुर

बगलुरु में रहने वाले 'पाषण एवं आहार विशेषज्ञ' संजीव शामा मानने हैं कि 'सुपर फुट' इन दिनों बड़ा अन्यथिवश्वास बने हुए हैं। 'सुपर फुट' का ऐसे भोजन के रूप में विज्ञापित किया जाता है मानो उनसे मौटापा खनिज वैग्रह की कमी, रक्तचाप, थायरॉइड, मधुमेह जैसी बीमारियां रफ्तार कर हो जाएंगी। संजीव बताते हैं कि 'बाजार की कृपा' से लहसुन से लेकर सिरका, किनोआ, हल्दी, मेथी और ऑलिव आयल, अलसै तरबूज, खरबूज के बीज और नारियल तेल- ये सभी 'सुपर फुट' के श्रेणी में आ गए हैं। दुनिया में सबसे अधिक बिकने वाले 'सुपर फुट' वे इन दिनों मटर, अदरख, हल्दी, जई, जौ और काबुली चना शामिल हैं। इसके अलावा फुट स्प्रीमेंट भी है। संजीव कहते हैं कि यह जानने के लिए हमें विशेषज्ञ बनने की दरकार नहीं कि जब तक कारण मौजूद रहेगा उसका असर भी देह पर आएगा ही। नीबू से कोई पतला होने से रहने और मेथी दाने से मधुमेह जाने से रहा। सेहत के लिए जीवन शैली में बदलाव लाना जरूरी है, न कि 'सुपर फुट' खाना। 'सुपर फुट' के विज्ञापन की दृष्टिकोण से बुरी तरह गुमराह कर रहे हैं। साधारण से दिखने वाला कुद्दू का आटा, जिसका उपयोग लोग ब्रत में करते हैं, अब 'बकवीट' टेंट अंग्रेजी नाम से 'सुपर फुट' में तब्दील हो गया है। जई जो कि सबसे पुराना अनाज है, ओट्स के अवतार में स्टेट्स का प्रतीक बन गया है कभी आम आदमी की थाली से हल्दी, लहसुन जैसी चीज़ें गायब होकर अचानक 'सुपर फुट' बनकर ग्राहकों के बीच मारामारी का कारण बन जाएं तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए! कइयों को गेहूं के गुरुटन से एलर्जी है। गेहूं की ज्यादातर किस्में खत्म हो चुकी हैं और दस हजार साल पहले उगाया गया यह अनाज पिछले कुछ वर्षों से एक खास वर्ग के लिए त्याज्ञ बन चुका है। कई रसोईघरों में गेहूं की वेदना का फायदा उठाते हुए बाजरा, रागी, जौ, जई और चना तेजी से अपनी जगह बना रहे हैं। कातरह के अनाज से बनने वाली 'मल्टी ग्रेन' रोटी खाने वाले गर्भ के साथ चलते हैं, क्योंकि आहार के मामले में यह उनकी बोधिप्राप्त दशा का दर्शाती है। नवउदारवाद की भाषा कारोबार और विज्ञापन की भाषा और सुन्दरता बढ़ाने के अपने नारों से वह स्त्रियों को ज्यादा लुभाने के कोशिश करता है। खासकर गृहणियों को, जो सेहत के प्रति जागरूक

आगे बढ़ेगा देश

आर आहार के बार में पारवारक निण्या के कद्र में भा हाता है। गौरतलब है कि किसी भी 'सुपर फुट' का इस्तेमाल एक चिकित्सकीय औषधि की तरह नहीं किया जाना चाहिए। कई 'सुपर फुट' के बारे में दावे किये जाते हैं कि वे कैंसर का इलाज हैं! मार्केटिंग की दुनिया में 'सुपर फुट' का सीधा अर्थ है, ऐसा भोजन जिसकी सुपर-बिक्री होती हो। 'नीलसन' के एक सर्वे के मुताबिक यदि लोगों को भरोसा हो जाए कि कोई खास भोजन स्वास्थ्य के लिए अच्छा है तो वे उसकी ज्यादा कीमत देने के लिए तुरंत तैयार हो जाते हैं। 'सुपर फुट' के दीवानों को यह समझने की जरूरत है कि शरीर को सिफ़ एक तरह के बीज, रेशे और खास तरह के अनाज की नहीं, बल्कि कई तरह के खनिज, सूक्ष्म खनिज और विटामिन की भी दरकार है। संजीव कहते हैं कि बेहतर यही है कि हम अलग-अलग रंग के फल और सब्जियां खाएं, क्योंकि उनमें से हरेक में खास खनिज और विटामिन होते हैं।

हरक म खास खानज आर विटामन हात ह। संजीव 'इन्द्रधनुषी भोजन' लेने की वे सलाह देते हैं। उनके अनुसार यदि आप सलाद खाते हैं, तो कोशिश करें कि उनमें इन्द्रधनुष के सभी रंग हों। डिब्बाबंद सब्जियां और फल से दूर रहने की सलाह है, क्योंकि उनमें नमक या चीनी की मात्रा अधिक हो सकती है। आहार विशेषज्ञ बिना पोषण के खाली कैलरी लेने के खिलाफ है। उदाहरण के लिए कोक या कोई और कोल्ड इंग्रिंज में न ही खनिज होता है, न विटामिन और न ही रेशे या फाइबर। इसे 'एम्टी कैलरी' या 'डर्टी कैलरी' कहा जाता है क्योंकि यह सिर्फ वजन बढ़ाता है। भोजन के प्रति जागरूकता बहुत छोटी उम्र से ही जरूरी है। आम तौर पर दाल, रोटी, सब्जी और चावल का भारतीय भोजन बहुत ही पोषक और उम्दा होता है। प्रोटीन की कमी को तरह-तरह के बीजों और सूखे मेरे से या फिर चने और दालों से पूरा किया जा सकता है। अंडे भी प्रोटीन का अच्छा स्रोत हैं और अब जर्दी भी कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने वाली नहीं मानी जाती, जैसा कि पहले माना जाता था। आहार के संबंध में स्कूलों में ही जानकारी दी जानी चाहिए, क्योंकि शारीरिक सेहत के अलावा यह मन की सेहत भी बनाता-बिगड़ता है। इसे लेकर शिक्षकों, अभिभावकों सभी को सामान रूप से सजग रहने की जरूरत है।

‘पढ़ेगा’ तभी तो आगे बढ़ेगा देश

हमने शिक्षा के गिरते स्तर पर कभी ध्यान ही नहीं दिया। लेकिन, क्यों हम इस बात का ही रोना रोते रहें कि आजादी के बाद से ही इसपर ध्यान नहीं दिया गया क्या हम लकीर पीटते रहें कि पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा कारण ही शिक्षा का स्तर गिरता रहा प्रश्न यह है कि हमने या युं कहिए कि हमारी सरकार ने उसमें सुधार के लिए क्या किया। देश की शिक्षा द्वारा स्तर को सुधारने के लिए, शिक्षा के लिए पलायन करने वाले छात्रों को रोकने के लिए क्या किया प्रश्न बहुत है, लेकिन इन प्रश्नों से समस्या का समाधान नहीं होने वाला है। इसी प्रक्रिया में अपने देश के विभिन्न राज्यों के शिक्षा स्तर के समझने के लिए प्रयास किया और जो जानकारी मिली सच में वह चौकाने वाली है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के सर्वेक्षण के अनुसार भारत में साक्षरता के मापदण्ड में केरल एक बार फिर पहले पायदान पर रहा है, जबकि आंध्र प्रदेश सबसे निचले स्थान पर है। सर्वेक्षण द्वारा अनसार केरल में साक्षरता दर 96.2 प्रतिशत, जबकि आंध्र प्रदेश 66.

प्रतिशत हा राष्ट्रीय नमना सर्वेक्षण के ७५ दार के तहत जुलाई २०१७ से जून २०१८ के बीच 'परिवारिक सामाजिक उपभोग : भारत में शिक्षा' पर आधारित इस रिपोर्ट में सात साल या उससे अधिक आयु के लोगों द्वारा बीच साक्षरता दर की राज्यवार जानकारी दी गई है। सर्वेक्षण के अनुसार केरल के बाद दिल्ली ८८. 7 प्रतिशत साक्षरता दर के साथ दूसरे स्थान पर है। उत्तराखण्ड ८७. ६ प्रतिशत के साथ तीसरे, हिमाचल प्रदेश ८६. ५ प्रतिशत के साथ चौथे और असम ८५. ९ प्रतिशत के साथ पांचवें स्थान पर है। दूसरी ओर राजस्थान ६९. ७ प्रतिशत साक्षरता दर के साथ सबसे पिछड़े राज्यों में दूसरे स्थान पर है। इसके ऊपर बिहार ७०. ९ तेलंगाना ७२. ८ प्रतिशत, उत्तर प्रदेश ७३ प्रतिशत और मध्य प्रदेश ७३. ५ प्रतिशत है। सर्वेक्षण के अनुसार देश की साक्षरता दर ७७. ७ प्रतिशत है। देश के ग्रामीण इलाकों की साक्षरता दर जहां ७३. ५ प्रतिशत है, वहाँ शहरी इलाकों में यह दर ८७. ७ प्रतिशत है। राष्ट्रीय स्तर पर पुरुषों की साक्षरता दर ८४. ७ प्रतिशत, जबकि महिलाओं की साक्षरता दर ७०. ५ प्रतिशत है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि सभी राज्यों में पुरुषों की साक्षरता दर महिलाओं से अधिक है। केरल में पुरुषों की साक्षरता दर ९७. ४ प्रतिशत, जबकि महिलाओं की साक्षरता दर ९५. २ प्रतिशत है।

देश/विदेश संदेश

दिल्ली में सिंधु बॉर्डर पर फिर बगल, बैरिकेटिंग तोड़ने की कोशिश के बाद पुलिस ने भी घट पर किया

हटका बल प्रयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। कुछ कानूनों के विरोध में दिल्ली में सिंधु बॉर्डर पर कई महीने से चल रहे किसानों के विरोध प्रदर्शन के बीच बुधवार को महौल एक बार फिर गरमा गया। अचानक कुछ लोगों ने वहाँ लगी बैरिकेटिंग को तोड़ने के प्रयास किया जिसके बाद उन पर काबूल पाने के लिए पुलिस की ओर से हटका बल प्रयोग भी किया गया है। दिल्ली पुलिस के सूबे ने बताया है कि सिंधु बॉर्डर के नजदीक कुछ लोगों ने बैरिकेटिंग तोड़ने की कोशिश की जिसके बाद पुलिस की ओर से हटका बल प्रयोग भी किया गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं, कृषि कानूनों के विरोध में आदोलन कर रहे किसान भी वहाँ मौजूद हैं।

41 गर्भवती महिलाओं की मौत, 149 संक्रमितों ने की खुदकुशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल भारत का सबसे ज्यादा कोरोना प्रभावित राज्य है। पुरे देश में आज कोरोना से 585 मरीं हुई जिसमें से 13 केरल में दर्ज की गई। इन्हाँ ही नहीं राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बुधवार को बताया कि केरल में कोरोना से अब तक 41 गर्भवती महिलाओं की मौत हो चुकी है और इसके अलावा 149 लोग कोरोना संक्रमण के कारण अस्पताल कर चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने यह जानकारी विद्यानश्वरा में अपने एक जवाब में दी। जॉर्ज ने कहा, ठिङ्गों से प्राप्त आकड़ों के अनुसार, राज्य में 41 गर्भवती महिलाओं ने इस बीमारी के कारण दम तोड़ दिया है। इसके



अलावा, बायरल संक्रमण से प्रभावित 149 रोगियों ने अस्पताल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने यह जानकारी दी। जॉर्ज ने कहा, ठिङ्गों से प्राप्त आकड़ों के अनुसार, राज्य में 41 गर्भवती महिलाओं ने इस बीमारी के कारण दम तोड़ दिया है। इसके

किंविती राज्य में डेढ़ साल पहले वायरस के संक्रमण के बाद केरल में 41 गर्भवती महिलाओं की मौत हो

चुकी है। आईसीएमआर अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार, केरल में सीरो स्कफल परीक्षण किया गया। जमीन से जमीन पर मार करने वाला इस बैरिकेटिंग मिसाइल को ओडिशा के एपीजे अब्दुल कलाम आइलैंड से लॉन्च किया गया।

यह बेहद सीढ़ीकाना के साथ वार करने वाले इस मिसाइल के जद में पूरा चीन और पाकिस्तान है। अधिकारियों ने मिसाइल के सफल परीक्षण की जानकारी देते हुए कहा कि 'पहले इस्तेमाल करने के बाद राज्य में एक गांव के रहने वाले सुआथन सज्जी अबर में काम करते हैं लेकिन अब तक भारत में ही दो दिनों से हैं व्यक्तियों के विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत की वैक्सीन कोरोना को बीमारी की टीका लगवा लिया है और महामारी के खिलाफ प्रतिरोध किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि ओडिशा में एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा देश की विकासित किया है। भारत ने इस मिसाइल का एक और परीक्षण ऐसे समय

भारत ने अग्नि 5 का किया सफल परीक्षण

पांच हजार किलोमीटर तक मार करने में सक्षम, जद में पूरा चीन और पाकिस्तान



तीन चरण के तीस ईंधन गले इंजन देश का उपयोग हुआ है। अग्नि-5 एक प्रमाण-संक्षम साल से अधिक समय से तानाव है। दूसरी तरफ पाकिस्तान के साथ सीमा पर सीजफायर चल रहा है, लेकिन पड़ोसी मूल्क आतंकियों को भेजकर माहाल बिगाड़ने की साजिश में जुटा है।

हिन्दुस्तान के मामलों में दखलंदाजी

न करे पाकिस्तान : ओवैसी



मुजफ्फरनगर (छोंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इतेहादुल मुसलमान (आईएमआईएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुल्लाह ओवैसी ने मुजफ्फरनगर दोंगों को याद दिलते हुए प्रदेश की राजनीति में मुस्लिमों के घटें प्रभाव को कंप्रेस, सपा, बसपा व रालोद को जिम्मेदार ठहराया। कहा कि 'प्रेस में साधा सक्ति का राजनीतिक दोंगों को एक भड़कावा करने के बाद राज्य में एक गांव के रहने वाले सुआथन सज्जी अबर में काम करते हैं लेकिन अब तक भारत में ही दो दिनों से हैं व्यक्तियों के विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत की वैक्सीन कोरोना को बीमारी की टीका लगवाया था। अब जबकि सामांण खुल रही है और लोग दूर देश की बायाएं कर पा रहे हैं, कोरेक्सीन को लगवाए ये लोग फेसे हुए हैं व्यक्तियों द्वारा बहुत से देश मान्यता नहीं दे रहे हैं।

पार्टी उत्तर प्रदेश में 2022 का विधानसभा चुनाव लड़ी तथा मुजफ्फरनगर में सभी सीटों पर अपने प्रत्यारोगी उत्तरीयों ने मुस्लिम समाज ने सपा-बसपा को कई बार गोंद देकर सत्ता में पहुंचाया है। लौकिक दोनों पार्टियों ने मुस्लिमों को केवल गोंद देने में मुस्लिम अपनी गोंद न बढ़ने दें, मुस्लिमों को दूशन किसी से छिपी नहीं है। उन्होंने कहा कि मुस्लिमों ने उनआरसी व सीएच का जो विश्वासी नहीं होने दें।

उनके प्रतिनिधि विधानसभा में वार्डों तो नाइसार्सी नहीं होने दें।

उन्होंने पाकिस्तान को मामलों में इन काले नानूओं की प्रतियां फढ़ाई।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी है। बिंदिश काल में भी महामारी गांधी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीवन की दूशन किया है।

विश्वासी दल विधायक नामांगयी ने अपनी जीव